Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्र

वेदान्त-मीमांसा-4

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. वेदान्तदर्शनानुसार ब्रह्मोपासना के साधनों का उल्लेख करें।

2. ब्रह्मसूत्रानुसार ब्रह्मज्ञान के अनन्तर सुकृत व दुष्कृत कर्मों की क्या गति होती है? प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

3. मीमांसा दर्शनानुसार षड्विध प्रमाणों पर प्रकाश डालें।

4. जीवात्मा के उत्क्रमण का सविस्तार वर्णन करें।

5. विविध उपनिषदों में वर्णित मुक्तात्मा के मोक्ष-मार्ग का समन्वयात्मक वर्णन करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. वेदान्तदर्शनानुसार सूक्ष्म शरीर के संसरण का उल्लेख करें।

7. उत्तरायण मार्ग से गति करता हुआ आत्मा को कारणब्रह्म की प्राप्ति होती है अथवा कार्यब्रह्म की, सविस्तार वर्णन करें।

8. ''अत एव चानन्याधिपतिः'' सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

9. मीमांसादर्शनानुसार अर्थवाद की विधिशेषता को सोदाहरण स्पष्ट करें।

10. प्रतिकोपासना के संदर्भ में वेदान्तमत को प्रस्तुत करें।

11. जीव व ब्रह्म की एकता को निरूपित करें।

12. ''अनावृत्तिः शब्दादनावृत्तिः शब्दात्'' सूत्र की व्याख्या करें।

----------X----------